

असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण 2023-24

प्रलिस के लिये:

असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASUSE), असंगठित गैर-कृषि प्रतिष्ठान, अनौपचारिक क्षेत्र, MSME, स्वयं सहायता समूह (SHG), सहकारी समितियाँ, योजित सकल मूल्य, आउटपुट का सकल मूल्य, औपचारिक क्षेत्र, आपूर्ति शृंखला, न्यूनतम मजदूरी, राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व

मेन्स के लिये:

भारत में असंगठित क्षेत्र के उद्यमों की स्थिति, संबंधित चुनौतियाँ और आगे की राह

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने अक्टूबर, 2023- सितंबर, 2024 की संदर्भ अवधि हेतु वर्ष 2023-24 के लिये असंगठित क्षेत्र उद्यमों (ASUSE) के वार्षिक सर्वेक्षण के परिणाम जारी किये।

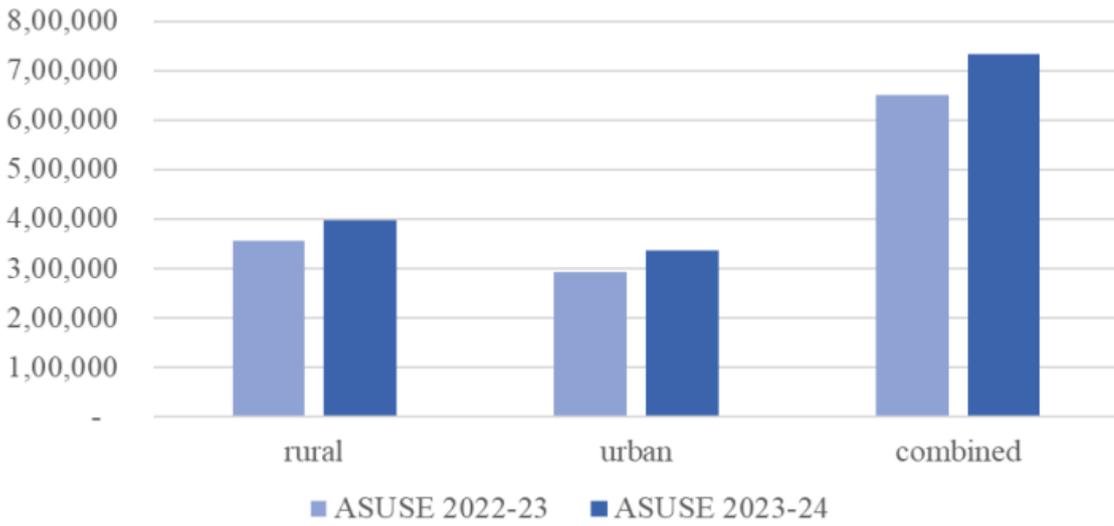
- संदर्भ अवधि एक विशिष्ट समय-सीमा है, जिसका उपयोग डेटा या सांख्यिकी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिये किया जाता है।

ASUSE क्या है?

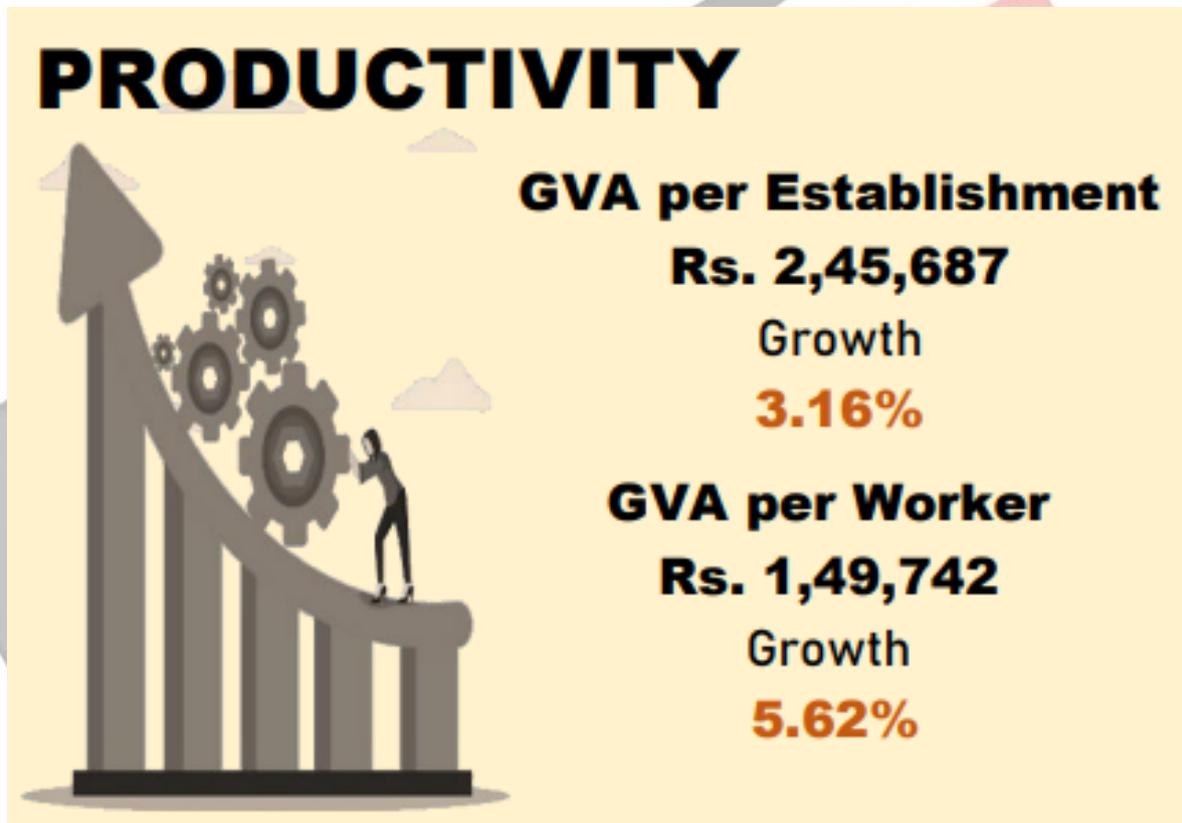
- परिचय:** ASUSE विशेष रूप से वनरिमाण, व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्रों (नरिमाण को छोड़कर) में असंगठित गैर-कृषि प्रतिष्ठानों की विभिन्न आर्थिक और परिचालन से जुड़ी विशेषताओं को मापना है।
 - असंगठित गैर-कृषि प्रतिष्ठान असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र के उद्यम हैं, जिनमें MSMEs, करिये के श्रमिकों वाली घरेलू इकाइयाँ और स्वयं के खाते वाले उद्यम शामिल हैं।
- कवरेज:**
 - भौगोलिक:** संपूर्ण भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के गाँवों को छोड़कर, जहाँ पहुँचना कठिन है)।
 - क्षेत्रवार:** तीन क्षेत्रों अर्थात् वनरिमाण, व्यापार और अन्य सेवाओं से संबंधित असंगठित गैर-कृषि प्रतिष्ठान।
 - स्वामित्व:** स्वामित्व, साझेदारी (सीमित देयता भागीदारी को छोड़कर), स्वयं सहायता समूह (SHG), सहकारी समितियाँ, सोसायटी/ट्रस्ट आदि।
- सर्वेक्षण समय-सीमा:** पहला पूर्ण ASUSE 2021-22 (अप्रैल 2021 - मार्च 2022) में आयोजित किया गया था, इसके बाद दूसरा सर्वेक्षण अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक किया गया।
 - वर्तमान तीसरा सर्वेक्षण (ASUSE 2023-24) अक्टूबर, 2023 से सितंबर, 2024 तक के लिये जारी किया गया था।
- नमूना आकार:** ASUSE 2023-24 में, 16,842 सर्वेक्षण प्रति प्रथम चरण इकाइयों (ग्रामीण में 8,523 और शहरी में 8,319) से कुल 4,98,024 प्रतिष्ठानों (ग्रामीण में 2,73,085 और शहरी में 2,24,939) से डेटा एकत्र किया गया था।
 - प्रथम चरण की इकाइयाँ ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना गाँव और शहरी क्षेत्रों में ब्लॉक थीं।

ASUSE 2023-24 परिणामों की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- प्रतिष्ठानों में वृद्धि: प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 12.84% बढ़कर वर्ष 2022-23 में 6.50 करोड़ से वर्ष 2023-24 में 7.34 करोड़ हो गई है।
 - "अन्य सेवा" क्षेत्र में सर्वाधिक 23.55% की वृद्धि तथा वनरिमाण क्षेत्र में 13% की वृद्धि देखी गयी।



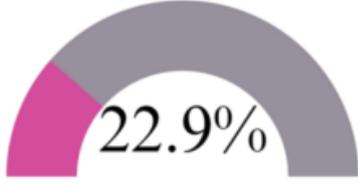
- **GVA वृद्धि:** सकल मूल्य वर्द्धन (GVA) में **16.52%** की वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से "अन्य सेवाओं" क्षेत्र में **26.17%** की वृद्धि के कारण हुई।
 - प्रतिश्रमिक GVA में **5.62%** की वृद्धि हुई, जो वर्ष 2022-23 में 1,41,769 रुपए से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1,49,742 रुपए हो गई।



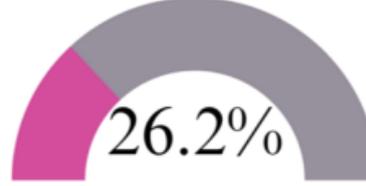
- **प्रति प्रतिष्ठान आउटपुट:** प्रति प्रतिष्ठान सकल उत्पादन मूल्य (GVO) वर्तमान मूल्यों में **6.15%** बढ़कर 4,63,389 रुपए से **4,91,862 रुपए** हो गया।
 - GVO से तात्पर्य किसी प्रतिष्ठान द्वारा किसी विशिष्ट अवधि के दौरान उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य से है।
- **श्रम बाजार का प्रदर्शन:** इस क्षेत्र में **12 करोड़ से अधिक श्रमिकों को रोजगार मिला**, जो 2022-23 से एक करोड़ से अधिक की वृद्धि है, जो मजबूत श्रम बाजार वृद्धि का संकेत है।
 - "अन्य सेवा" क्षेत्र में **17.86%** की सर्वाधिक वार्षिक वृद्धि देखी गई, जिसके बाद वननिर्माण क्षेत्र में **10.03%** की वृद्धि हुई।
- **महिला उद्यमिता:** महिला स्वामित्व वाली स्वामित्व प्रतिष्ठान वर्ष 2022-23 में **22.9%** से बढ़कर 2023-24 में **26.2%** हो गई, जो महिलाओं के व्यवसाय स्वामित्व में सकारात्मक प्रवृत्ति का संकेत है।

Percentage of Female Owned Proprietary Establishments

ASUSE 2022-23



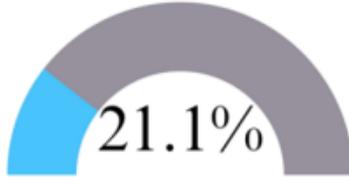
ASUSE 2023-24



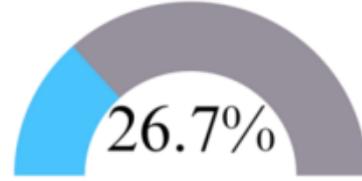
- **वेतन में सुधार:** वर्ष 2023-24 में नयोजित श्रमिकों के लिये औसत पारिश्रमिक में 13% की वृद्धि हुई, जिसमें सबसे अधिक वृद्धि वनिरिमाण क्षेत्र (16%) में देखी गई।
- **डजिटल पैठ:** इंटरनेट का उपयोग करने वाले प्रतिष्ठानों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2022-23 में 21.1% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 26.7% हो गई है, जो व्यावसायिक परिचालन में डजिटल की ओर अग्रसर एक मज़बूत प्रवृत्त को दर्शाता है।

Percentage of Establishments using Internet

ASUSE 2022-23



ASUSE 2023-24



मुख्य अवधारणाएँ और परभाषाएँ:

- **उद्यम:** वित्तीय और नविश नरिणियों में स्वायत्तता के साथ वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करने वाली इकाई, जो संसाधन आवंटन के लिये ज़िम्मेदार है।
- **असंगठित गैर-कृषि प्रतिष्ठान:** वे नगिमति नहीं हैं (अर्थात् न तो [कंपनी अधिनियम, 1956](#) के तहत पंजीकृत हैं और न ही [कंपनी अधिनियम, 2013](#) के तहत)।
- **वनिरिमाण प्रतिष्ठान:** सामग्री को नए उत्पादों में बदलने या रखरखाव और मरम्मत सहित वनिरिमाण सेवाएँ प्रदान करने में शामिल इकाइयाँ।
- **पारिश्रमिक:** नयिमति भुगतान (वेतन, मज़दूरी, बोनस) और सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिये नयिकता का योगदान, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल या मनोरंजन जैसे भुगतान शामिल हैं।
- **सकल मूल्य संवर्धन (GVA):** GVA उत्पादन और मध्यवर्ती उपभोग (इनपुट) के सकल मूल्य के बीच का अंतर है।
- **करिये पर काम करने वाले श्रमिक प्रतिष्ठान (HWE):** वह प्रतिष्ठान जिसमें कम से कम एक कर्मचारी नयिमति रूप से कार्यरत हो।
- **अन्य सेवा प्रतिष्ठान:** वे वभिन्न सेवा गतिविधियों में लगे असंगठित उद्यमों को संदर्भित करते हैं जो व्यापार और वनिरिमाण श्रेणियों में नहीं आते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में असंगठित गैर-कृषि इकाइयों का क्या महत्त्व है?

- **रोज़गार प्रदाता:** वर्ष 2018-19 के [आर्थिक सर्वेक्षण](#) से पता चलता है कि भारत का 93% कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, जिससे यह सबसे बड़ा रोज़गार प्रदाता बन गया है।
- **क्षेत्रीय संतुलन:** अनौपचारिक उद्यम ग्रामीण क्षेत्रों का औद्योगिकीकरण करके और सीमति पूंजी वाले व्यक्तियों को रोज़गार प्रदान करके क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने में मदद करते हैं।
- **उद्यमिता:** छोटी अनौपचारिक फर्म विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और हाशिये पर रहने वाले समुदायों के व्यक्तियों जैसे कमजोर समूहों के लिये उद्यमिता को बढ़ावा देती हैं।
- **औपचारिक क्षेत्र के लिये समर्थन:** यह [औपचारिक क्षेत्र](#) को ऐसी वस्तुएँ और सेवाएँ प्रदान करता है जिनका बड़ी फर्मों द्वारा या औपचारिक उद्यमों की [आपूर्ति शृंखलाओं](#) का समर्थन करके कुशलता से उत्पादन नहीं किया जा सकता है।
- **गतिशील भूमिका:** असंगठित क्षेत्र में सेवाओं में 38%, व्यापार (मुख्य रूप से खुदरा) में 35%, तथा वनिरिमाण में 27% फर्में कार्यरत हैं, जो वभिन्न क्षेत्रों में अनौपचारिक उद्यमों के महत्त्व को दर्शाता है।

भारत में असंगठित गैर-कृषि इकाइयों से संबंधित चुनौतियाँ क्या हैं?

- **लैंगिक असमानताएँ:** अनौपचारिक कार्यबल में महिलाओं की महत्त्वपूर्ण हस्सिसेदारी है, फरि भी उन्हें कम वेतन, आय अस्थिरता और [सामाजिक](#)

सुरक्षा के अभाव सहित कई गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।

- **अन्यत्रि रति कारकों के प्रतिसुभेदयता:** भारत में **मानसुन के सीजन** के दौरान नरिमाण गतविधियाँ प्रायः रुक जाती हैं, जससे **प्रवासी शरमकों** को स्थायी रोजगार नहीं मलि पाता।
- **रोजगार सुरक्षा का अभाव:** अनौपचारकि रोजगार में स्वभावतः औपचारकि रोजगार से संबधति सुरक्षा और लाभ जैसेलखिति अनुबंध, **नयूनतम मजदूरी**, सवेतन अवकाश और वनियिमति कार्य घंटे का अभाव होता है।
- **कर चोरी:** कई कंपनयाँ कानूनी प्रणाली से राजस्व और व्यय को छपिकर **करों की चोरी** करती हैं, जसके परणामस्वरूप सरकारी राजस्व में अत्यधकि हानिहोती है।
- **वकिस में चुनौतियाँ:** दीर्घकालकि स्थरिता चति का वषिय बनी हुई है, **वर्ष 2015-2023** तक इस क्षेत्तर की **वकिस दर केवल 2% का नयूनतम वसितार** दर्शा रही है।
- **सटीक आँकड़ों का अभाव:** वर्ष **2018-19** के आरथकि सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत का **93%** कार्यबल अनौपचारकि है, जबकि **नीति आयोग** की न्यू इंडिया के लयि रणनीति में इसका अनुमान **85%** लगाया गया है।
 - **राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (NSC)** की '**असंगठति क्षेत्तर सांख्यिकी समति की रपिर्ट**', **2012** में दावा कया गया है कि **90%** से अधकि कार्यबल अनौपचारकि है, हालाँकि स्रोत नरिदषिट नहीं कयि गए हैं।

आगे की राह

- **औपचारकिता को प्रोत्साहति करना:** पंजीकरण प्रकरयाओं को सरल बनाकर, छोटी फर्र्मों के लयि **करों को कम करके**, तथा व्यवसायों को शरम और सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने के लयि **प्रोत्साहन** प्रदान करके **औपचारकिता** को प्रोत्साहति करना।
- **सशक्तकिरण के लयि स्वयं सहायता समूह:** **स्वयं सहायता समूह (SHG)** की स्थापना से अनौपचारकि कर्मचारियों को उनके कार्य की स्थति और आरथकि सुरक्षा में सुधार के लयि आवश्यक उपकरण और सहायता प्रदान की जा सकती है।
- **व्यापक डेटाबेस:** अनौपचारकि अर्थव्यवस्था पर वसितृत डेटा एकत्तर करने से नीति नरिमाताओं को सूचति नरिणय लेने, लक्षति हस्तक्षेप डजिाइन करने और नीति प्रभाव का आकलन करने में मदद मलिती है।
- **समान कार्य के लयि समान वेतन:** सरकार को **राज्य नीति के नदिशक तत्त्वों** के **अनुच्छेद 39(d)** के अनुसार समान कार्य के लयि समान वेतन सुनश्चिति करने के उपायों को लागू करना चाहयि।
- **कषमता वकिस:** अनौपचारकि शरमकों के लयि कौशल वकिस कार्यक्रम प्रदान करना, जसमें **बढ़ईगीरी, प्लंबगि, सलिाई, खाद्य प्रसंसकरण**, डजिटिल साकषरता और सॉफ्ट स्कलि जैसे टरेड शामिल हों।
 - **नए कर्मचारियों को प्रशकिषति करने** के लयि अनुभवी कर्मचारियों के लयि प्रशकिषुता और **मार्गदर्शन कार्यक्रम** शुरु करना।

दृषटि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न: भारतीय अर्थव्यवस्था में असंगठति गैर-कृषि प्रतषिठानों की भूमकि का आकलन कीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा के वगित वर्ष के प्रश्न

????????

प्रश्न. प्रधानमंत्री MUDRA योजना का लक्ष्य क्या है? (2016)

- लघु उद्यमियों को औपचारकि वत्तितीय प्रणाली में लाना
- नरिधन कृषकों को वशिष फसलों की कृषि के लयि ऋण उपलब्ध कराना
- वृद्ध एवं नसिसहाय लोगों को पेंशन प्रदान करना
- कौशल वकिस एवं रोजगार सृजन में लगे स्वयंसेवी संगठनों का नधियिन करना

उत्तर: (a)

प्रश्न: प्रच्छन्न बेरोजगारी का आमतौर पर अर्थ होता है- (2013)

- बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार रहते हैं
- वैकल्पकि रोजगार उपलब्ध नहीं है
- शरम की सीमांत उत्पादकता शून्य है
- शरमकों की उत्पादकता कम है

उत्तर: (c)

????

प्रश्न. भारत में सबसे ज्यादा बेरोज़गारी प्रकृति में संरचनात्मक है। भारत में बेरोज़गारी की गणना के लिये अपनाई गई पद्धतियों का परीक्षण कीजिये और सुधार के सुझाव दीजिये। (2023)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/annual-survey-of-unincorporated-sector-enterprises-2023-24>

